चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	26.10.24	3	6-8

The Tribune

Students present cultural programme at NSS Integration Camp in Hisar

HISAR, OCTOBER 25

Participants from various educational institutes presented a colourful cultural programme on the third day of the National Integration Camp that is being held at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU).

The HAU's National Service Scheme (NSS) has been organising the National Integration Camp in which the NSS volunteers from Punjab, Chandigarh, Delhi, Himachal Pradesh and Jammu and Kashmir enthralled the audience with their folk dance performances.

The university Registrar Dr Pawan Kumar was the chief guest, while Student Welfare Director Dr ML Khichar was the special guest during the events held today. The chief guest shared his views with the volunteers and motivated them to follow the right path. — TNS

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26-10-24	3	2-5

कृषिकोष प्रामाणिक डाटा प्रदान करने में निभाते हैं भूमिका : कुलपति

जागरण संवाददाता • हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। नेहरू पुस्तकालय की तरफ से आइसीएआर व आइएआरआइ के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि रहे।

कुलपति ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई -संसाधनों वाले ई- रिपोजिटरी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं। कृषि और सकल घरेलू उत्पाद देश का बहुत बड़ा क्षेत्र है इसलिए छात्रों वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के लिए समय पर सूचना पहुंचना अति आवश्यक है। कृषिकोष सही और प्रामाणिक डाटा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बताया कि आइसीएआर ने सीईआरए और कृषि कोर्स जैसे डिजिटल रिपोजिटरी के माध्यम से विभिन्न ई-संसाधनों तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है, जिससे एनएआईपी कंसोर्टियम परियोजनाओं के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली के तहत कृषि विश्वविद्यालय और आइसीएआर संस्थाओं को लाभ हुआ है। उन्होंने बताया कि नेहरू पुस्तकालय में 2 लाख 50 हजार पुस्तकें है। दो लाख छह हजार थीसिज उपलब्ध है जिससे शोधकर्ताओं को नए शोध करने में मदद मिलती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए । • पीआरओ

आइसीएआर-आइएआरआइ नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआइ (ई-ग्रंथ) डा. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डा. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि एनएआईपी 'कृषिप्रभा' के माध्यम से शोध प्रबंधों को डिजिटल बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	26.10.24	5	1-5

डिजिटल लाइब्रेरी व कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता: प्रो. काम्बोज

- कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी-साइबर सुरक्षा एवं साहित्य चोरी विषय पर कार्यक्रम आयोजित

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एकदिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है।

उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई -संसाधनों वाले ई-रिपोजिटरी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं। कृषि और सकल घरेलू उत्पाद देश का बहुत बड़ा क्षेत्र है इसलिए छात्रों वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के लिए समय पर सूचना पहुंचना अति आवश्यक है।

कृषिकोष सही और प्रामाणिक डाटा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि हकृवि का नेहरू पुस्ताकलय इस क्षेत्र में अह्म भूमिका निभा रहा है। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.10.24	3	3-5

डिजिटल लाइब्रेरी व कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए

हिसार, 25 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एकदिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि कृषि और सकल घरेलू उत्पाद देश का बहुत बड़ा क्षेत्र है इसलिए छात्रों वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के लिए समय पर सूचना पहुंचना अति आवश्यक है। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि एन.ए.आई.पी. 'कृषिप्रभा' के माध्यम से शोध प्रबंधों को डिजिटल बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.10.24	3	1-4

एचएयू में कार्यक्रम • साइबर सुरक्षा एवं साहित्य चोरी विषय पर कार्यक्रम आयोजित

डिजिटल लाइब्रेरी और कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता : प्रो. काम्बोज

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम किया गया। एचएयू के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में

कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है, बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों वाले ई-रिपोजिटरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं। उन्होंने बताया कि नेहरू पुस्तकालय में 2 लाख 50 हजार पुस्तकें हैं। 2 लाख 6 हजार थीसिज उपलब्ध हैं जिससे शोधकर्ताओं को नए शोध करने में मदद मिलती है।

आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआई ई-ग्रंथ डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है, जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोध ग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि एनएआईपी 'कृषिप्रभा' के माध्यम से शोध प्रबंधों को डिजिटल बनाने में भूमिका निभा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दै॰ भूमि	26-10-24	2	1-5

कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी-साइबर सुरक्षा एवं साहित्य चोरी विषय पर कार्यक्रम

कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एकदिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई-संसाधनों वाले ई-रिपोजिटरी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं। कृषि और सकल घरेलू उत्पाद देश का बहुत बड़ा क्षेत्र है इसलिए छात्रों वैज्ञानिकों और नीति निर्माताओं के लिए समय पर सूचना पहुंचना अति आवश्यक है। कृषिकोष सही और प्रामाणिक डाटा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआई (ई-ग्रंथ) डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

हिसार। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यक्रम को संबोधित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	26.10.24	5	1-3

डिजीटल लाइब्रेरी व कृषि कोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता : प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए।

कृषि कोष डिजीटल रिपोजिटरी-साइबर सुरक्षा व साहित्य चोरी विषय पर कार्यक्रम आयोजित

हिसार, 25 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एकदिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है।

आईसीएआर ने सीईआरए और कृषि कोर्स जैसे डिजिटल रिपोजिटरी के माध्यम से विभिन्न ई-संसाधनों तक पंहुंच की सुविधा प्रदान की है, जिससे एनएआईपी कंसोर्टियम परियोजनाओं के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) के तहत कृषि विश्वविद्यालय और आईसीएआर संस्थाओं को लाभ हुआ है। नेहरू पुस्तकालय में 2 लाख 50 हजार पुस्तकें है। 2 लाख 6 हजार थीसिज उपलब्ध है जिससे शोधकर्ताओं को नए शोध करने में मदद मिलती है। आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआई (ई-ग्रंथ) डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं। नेहरू पुस्तकालयाध्यक्ष एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि एनएआईपी 'कृषिप्रभा' के माध्यम से शोध प्रबंधों को डिजिटल बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। हकृवि का नेहरू पुस्ताकलय इस क्षेत्र में अह्म भूमिका निभा रहा है। डिप्टी लाईब्रेरियन डॉ. सीमा ने धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। आईसीएआर नई दिल्ली के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने भी साइबर सेक्योरिटी विषय पर अपने विचार रखे। मंच का संचालन डॉ. संध्या शर्मा ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक, अधिकारी, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-10-24	11	6-8

पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल व जम्मू कश्मीर ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीसरे दिन राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ एमएल खीचड़ मौजूद रहें। मुख्यातिथि डॉ पवन कुमार ने स्वयसेवकों के साथ अपने विचार साझा करें एवं उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम स्वयसेवकों के सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.10.25	5	7-8

नेहरू पुस्तकालय में रखी हैं 2.5 लाख पुस्तकें

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषि कोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एक दिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए कहा कि नेहरू पुस्तकालय में 2.5 लाख पुस्तकें हैं। यहां उपलब्ध 2 लाख 6 हजार थीसिज शोधकर्ताओं को नए शोध करने में मदद करती हैं। आईसीएआर-आईएआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अमरेंद्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष डिजिटल रिपोजिटरी में कृषि क्षेत्र में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य और संस्थागत प्रकाशन उपलब्ध हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम के निर्देशक डॉ. राजीव कुमार पटेरिया ने बताया कि एनएआईपी 'कृषिप्रभा' के माध्यम से शोध प्रबंधों को डिजिटल बनाने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	25.10.2024	--	--

डिजिटल लाइब्रेरी व कृषिकोष ई-संसाधनों से शोध कार्यों में आएगी तीव्रता : प्रो. काम्बोज

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी, साइबर सुरक्षा और शिक्षा एवं अनुसंधान में साहित्यिक चोरी विषय पर एकदिवसीय संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। हकृवि के नेहरू पुस्तकालय द्वारा आईसीएआर व आईएआरआई के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

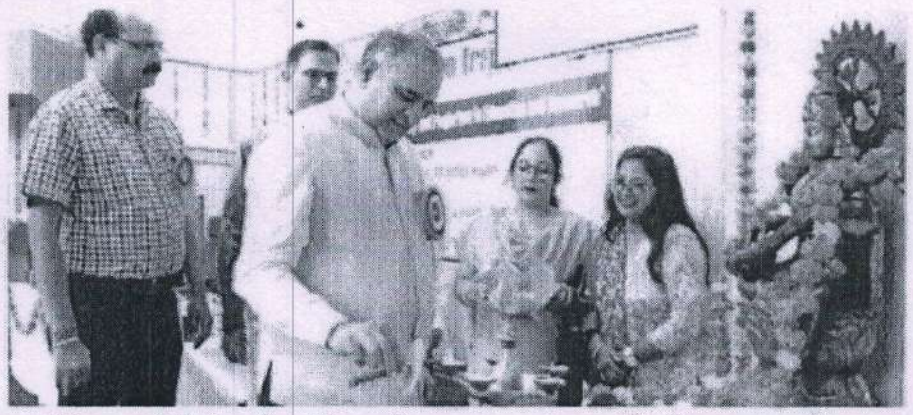

कुलपति ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य वैज्ञानिकों एवं शोधार्थियों में कृषिकोष डिजिटल रिपोजिटरी के बारे में जागरूकता लाना, रिपोजिटरी के उपयोग को बढ़ाना तथा शैक्षणिक एवं शोध समुदाय को साइबर सुरक्षा एवं साहित्यिक चोरी के प्रति संवेदनशील करना है। उन्होंने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के व्यापक प्रचार एवं प्रसार के कारण ज्ञान किसी राज्य या देश की परिधि व समय में बंधा हुआ नहीं है बल्कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों की विभिन्न तकनीकों के माध्यम से सीमाओं से दूर फैल रहा है। उन्होंने बताया कि विभिन्न प्रकार के ई -संसाधनों वाले ई- रिपोजिटरी ने इस संबंध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा हाल के वर्षों में अनुसंधान और विकास का केंद्र बन गए हैं।

आईसीएआर-आईएआरआई, नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक व पीआई (ई-ग्रंथ) डॉ. अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कृषि कोष एक ऐसी डिजिटल रिपोजिटरी है जिसमें देश की समस्त कृषि विश्वविद्यालय एवं कृषि अनुसंधान संस्थानों में किए गए शोध के शोधग्रंथों, अप्रकाशित साहित्य एवं संस्थागत प्रकाशन आदि इसमें उपलब्ध हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26.10.24	3	3-5

हकृवि में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के स्वयंसेवकों ने दी प्रस्तुति

जागरण संवाददाता • हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीसरे दिन राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। कार्यक्रमों में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. पवन कुमार बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डा. एमएल खीचड़ मौजूद रहें। मुख्यातिथि डा. पवन कुमार ने स्वयंसेवकों के साथ अपने विचार सांझा करें एवं उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है।

शिविर में हिमाचल प्रदेश से आए स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का नाटी नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक परिदृश्य को दर्शाता इस नृत्य से सभी का मन मोह लिया। हिमाचल प्रदेश की संस्कृति अपने आप में अनूठी है एवं नृत्य और गायन के माध्यम से स्वयंसेवकों ने इसे बखूबी प्रस्तुत किया।

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति देते स्वयंसेवक।

इसी कड़ी में पंजाब राज्य के स्वयंसेवकों ने भांगड़ा एवं गिद्दा प्रस्तुत किया। पंजाब का नृत्य अपने आप में उर्जा से भरा हुआ था एवं उपस्थित सभी स्वयंसेवकों को उत्साहित कर दिया। कश्मीर से आए स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का रूप नृत्य प्रस्तुत किया। कश्मीरी वेशभूषा पहने स्वयंसेवक न केवल अपने अपने राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत कर रहे बल्कि दूसरे स्वयसेवकों के साथ मिलजुल कर इस कार्यक्रम की शोभा ओर बढ़ा रहे है। इस एकता शिविर का मूल उद्देश्य ही भारत की प्रभुता और अखंडता बनाए रखना है और सभी स्वयंसेवक इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	26.10.24	3	1-2

राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हिसार, 25 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीसरे दिन राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुनियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ एम.एल. खीचड़ मौजूद रहें।

मुख्यातिथि डॉ पवन कुमार ने स्वयसेवकों के साथ अपने विचार सांझा करें एवं उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम स्वयसेवकों के सर्वांगीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। शिविर में हिमाचल प्रदेश से आए स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का नाटी नृत्य प्रस्तुत किया। पंजाब के स्वयसेवकों ने भंगड़ा एवं गिद्दा प्रस्तुत किया। कश्मीर से आए स्वयसेवकों ने अपने राज्य का रूप नृत्य प्रस्तुत किया। कश्मीरी वेशभूषा पहने ये स्वयसेवक न केवल अपने अपने राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को प्रस्तुत कर रहे बल्कि दूसरे स्वयसेवकों के साथ मिलजुल कर इस कार्यक्रम की शोभा ओर बढ़ा रहे है।

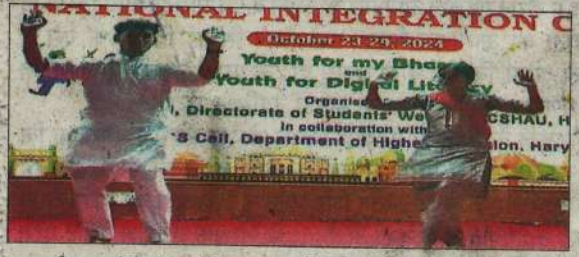

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते स्वयसेवक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26.10.24	3	5-6

स्वयंसेवकों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी

हकृवि में राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन कार्यक्रम

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व ज़म्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर विवि के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खीचड़ मौजूद रहे। मुख्यातिथि डॉ. पवन कुमार ने स्वयंसेवकों के साथ अपने

विचार सांझा किए। शिविर में हिमाचल प्रदेश से आए स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का नाटी-नृत्य प्रस्तुत किया। पंजाब राज्य के स्वयंसेवकों ने भंगड़ा एवं गिद्दा प्रस्तुत किया। पंजाब का नृत्य अपने आप में उर्जा से भरा हुआ था एवं उपस्थित सभी स्वयंसेवकों को उत्साहित कर दिया। जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का रूप नृत्य प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	26.10.24	5	3-5

राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम किए प्रस्तुत

● झलकियों में दिखी विभिन्न प्रदेशों की संस्कृति

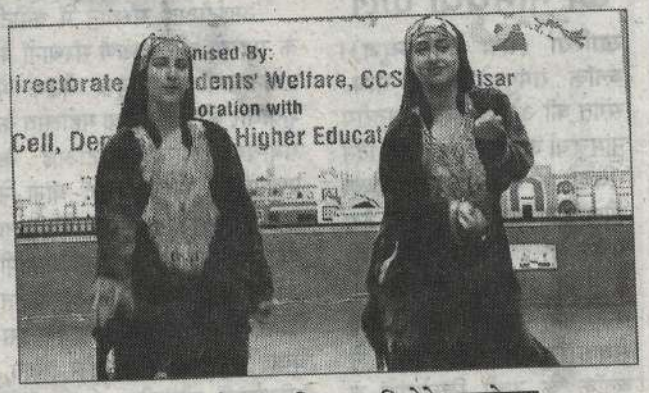

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुति देते स्वयसेवक

हिसार(सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीसरे दिन राष्ट्रीय एकता शिविर में स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने अपनी पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य की प्रस्तुनियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। स्वयंसेवकों ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार बतौर मुख्यातिथि उपस्थित रहें। विशिष्ट अतिथि छात्र कल्याण निदेशक डॉ एमएल खीचड़ मौजूद रहें । मुख्यातिथि डॉ पवन कुमार ने स्वयसेवकों के साथ अपने विचार सांझा करें एवं उन्हें सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि समय समय पर इस प्रकार के कार्यक्रम स्वयसेवकों के सवार्गीण विकास के लिए अति महत्वपूर्ण है। शिविर में हिमाचल प्रदेश से आए स्वयंसेवकों ने अपने राज्य का नाटी नृत्य प्रस्तुत किया।

सांस्कृतिक परिदृश्य को दर्शाता इस नृत्य से सभी का मन मोह लिया। हिमाचल प्रदेश की संस्कृति अपने आप में अनूठी है एवं नृत्य और गायन के माध्यम से स्वयंसेवकों ने इसे बखूबी प्रस्तुत किया।

इसी कडी में पंजाब राज्य के स्वयसेवकों ने भंगड़ा एवं गिद्दा प्रस्तुत किया। पंजाब का नृत्य अपने आप मे उर्जा से भरा हुआ था एवं उपस्थित सभी स्वयसेवकों को उत्साहित कर दिया। इस एकता शिविर का मूल उद्देश्य ही भारत की प्रभुता और अखण्डता बनाए रखना है और सभी स्वयसेवक इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26.10.24	4	4-6

स्वयंसेवकों ने भंगड़ा व कश्मीरी रूप नृत्य से बांधा समा

एचएयू में शिविर के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुति देतीं स्वयंसेविकाएं। स्रोत : संस्थान

माई सिटी रिपोर्टर

पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल व जम्मू कश्मीर के युवाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे राष्ट्रीय एकता शिविर के तीसरे दिन स्वयंसेवकों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां पेश कीं। कार्यक्रम में पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश व जम्मू कश्मीर के स्वयंसेवकों ने पारंपरिक वेशभूषा में लोक नृत्य कर अपनी संस्कृति से रूबरू कराया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. पवन कुमार ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि समय-समय पर ऐसे कार्यक्रमों स्वयंसेवकों को सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

शिविर में हिमाचल प्रदेश के स्वयंसेवकों ने नाटी नृत्य प्रस्तुत किया। सांस्कृतिक परिदृश्य को दर्शाता इस नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। पंजाब के स्वयसेवकों ने भंगड़ा और गिद्दे की प्रस्तुति दी। जम्मू-कश्मीर से आए स्वयंसेवकों ने कश्मीरी वेशभूषा में अपने राज्य का रूप नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. एमएल खीचड़ व अन्य मौजूद रहे।